महत्वपूर्ण एवं खास

डोनाल्ड ट्रंप ने दिए सीरिया पर हवाई हमले के आदेश

रूसी सैन्य ठिकानों के पास दिखे अमेरिकी विमान

दमिश्क ,(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार (14 अप्रैल) को घोषणा की कि बशर अल असद की ''आपराधिक'' सरकार को निशाना बनाने के लिए सीरिया पर अमेरिका-ब्रिटेन-फ्रांस ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा कि सीरिया में कथित रासायनिक हमले से हिंसा में ''बड़ी वृद्धि'' हुई. ट्रंप ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, ''यह किसी व्यक्ति की कार्रवाई नहीं है, यह एक दानव के अपराध हैं।'' ट्रंप ने कहा, ''कुछ समय पहले मैंने अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं को सीरियाई तानाशाह बशर अल असद की रासायनिक हथियार क्षमताओं से जुड़े ठिकानों पर सटीक हमले करने के आदेश दिए। फ्रांस और ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ संयुक्त अभियान चल रहा है। हम दोनों देशों का आभार जताते हैं। उन्होंने कहा, ''फ्रांस और ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ संयुक्त अभियान चल रहा है। हम दोनों देशों का आभार जताते हैं।'' सीरिया के पूर्वी गोता के डौमा में हाल में कथित रूप से सीरिया द्वारा रसायनिक हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका ने पहले ही असद सरकार को चेतावनी दी थी। इस हमले में बच्चों सहित 75 लोग मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति असद को जानवर असद कहकर संबोधित किया था। ट्रंप ने ट्वीट कर कहा था, जानवर असद को डौमा शहर में कथित रासायनिक हमलों के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि बीते 12 अप्रैल को सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया पर हमले को लेकर पश्चिमी देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि डौमा पर संदिग्ध रासायनिक हमले के आरोप मनगढ़ंत हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि संयुक्त कार्रवाई का मकसद रासायनिक हथियारों के उत्पादन, प्रसार और इस्तेमाल के खिलाफ ''मजबूत प्रतिरोधक'' तंत्र स्थापित करना है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सीरिया के खिलाफ ''सटीक हमलों'' के आदेश दिए है। सीरिया के डूमा में पिछले सप्ताहांत संदिग्ध जहरीली गैस हमले में कई लोग मारे गए थे। ट्रंप ने कहा, ''आज रात हमारी कार्रवाई का उद्देश्य रासायनिक हथियारों के उत्पादन,

प्रसार और इस्तेमाल के खिलाफ मजबूत प्रतिरोधक तंत्र स्थापित करना है। इस प्रतिरोधक तंत्र को स्थापित करना अमेरिका का अहम राष्ट्रीय सुरक्षा हित है।'' उन्होंने कहा, ''ईरान और रूस से मैं पूछता हूं कि वह देश किस तरह का है जो निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार से जुड़ना चाहता है।'' उन्होंने (डोनाल्ड ट्रंप ने) गत शनिवार (7 अप्रैल) को डौमा में कथित अत्याचार का जिक्र करते हुए ''निर्दोष नागरिकों का वध करने के लिए रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने पर'' असद सरकार पर निशाना साधा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''यह नरसंहार उस भयानक सरकार द्वारा इस्तेमाल किए गए रासायनिक हथियारों की प्रवृत्ति में बड़ी वृद्धि है।''। सीरिया में रूसी सैन्य ठिकानों के पास दिखे थे अमेरिकी सैन्य विमान सात अमेरिकी सैन्य विमान सीरिया के तट के निकट निगरानी मिशन पर देखे गए जहां रूस के हेलिमिम एयरबेस और टारटस नौसैनिक बेस स्थित हैं। समाचार एजेंसी स्पुत्निक के अनुसार, यह जानकारी रूस के सैन्य उड्डान निगरानी केंद्र ने शुक्रवार (13 अप्रैल) को ट्वीट कर दी। इसमें कहा गया है, छह अमेरिकी नौसैनिक पी-8ए पोसेडन गश्ती विमान इटली के सिसिलिया द्वीप और ईपी-3ई एरीस द्वितीय निगरानी विमान ग्रीस के क्रेट द्वीप से रवाना हुआ था।सीरिया पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर रूसी राजदूत ने दी थी चेतावनी संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वैसिली नेबेनजिया ने अमेरिका को सीरिया पर सैन्य कार्रवाई करने को लेकर चेतावनी दी है। समाचार एजेंसी स्पुत्निक के मुताबिक, हमें उम्मीद है कि वापसी का कोई मतलब नहीं होगा कि अमेरिका और सहयोगी एक संप्रभु देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने से दूर रहेंगे। उन्होंने कहा, हालात और बढ़ते खतरे के बारे में हम बहुत चिंतित हैं।

रूस के राजदूत ने दी अमेरिका को नतीजे भुगतने की चेतावनी, ब्रिटेन-फ्रांस भी निशाने पर

सीरिया पर हमला

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। सीरिया के सहयोगी देश रूस ने संदिग्ध रासायनिक हमले के जवाब में बशर अल असद सरकार के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले हमलों के बाद ''परिणाम'' भुगतने की चेतावनी दी है. अमेरिका में रूस के राजदूत एनातोली एंतोनोव ने एक बयान में कहा, ''एक बार फिर, हमें धमकाया जा रहा है.'' उन्होंने कहा, ''हम आगाह करते हैं कि ऐसी कार्रवाई को बिना परिणाम भुगते नहीं छोड़ा जाएगा. इसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस पर है. रूस के राष्ट्रपति का अपमान करना अस्वीकार्य और अमान्य है.'' इस बीच , मॉस्को में रूस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार (14 अप्रैल) को कहा कि सीरिया पर पश्चिमी देशों के हमले ऐसे समय में हुए हैं जब देश के पास ''शांतिपूर्ण भविष्य का मौका'' था. विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने फेसबुक पर लिखा, ''इन सबके पीछे जिम्मेदार लोग दुनिया में नैतिक नेतृत्व का दावा करते हैं और यह ऐलान करते हैं कि वे कुछ अलग हैं. आपको उस समय सीरिया की राजधानी पर हमले करने के लिए वास्तव में अलग होने की जरुरत है जब उसके पास शांतिपूर्ण भविष्य का मौका था.'' ट्रंप ने जताया ब्रिटेन और फ्रांस का आभार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार (14 अप्रैल) को घोषणा की कि बशर अल असद की ''आपराधिक'' सरकार को निशाना बनाने के लिए सीरिया पर अमेरिका-ब्रिटेन-फ्रांस ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा कि सीरिया में कथित रासायनिक हमले से हिंसा में ''बड़ी वृद्धि'' हुई. ट्रंप ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, ''यह किसी व्यक्ति की कार्रवाई नहीं है, यह एक दानव के अपराध हैं.'' ट्रंप ने कहा, ''कुछ समय पहले मैंने अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं को सीरियाई तानाशाह बशर अल असद की रासायनिक हथियार क्षमताओं से जुड़े ठिकानों पर सटीक हमले करने के आदेश दिए. फ्रांस और ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ संयुक्त अभियान चल रहा है. हम दोनों देशों का आभार जताते हैं. उन्होंने कहा, ''फ्रांस और ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ संयुक्त अभियान चल रहा है. हम दोनों देशों का आभार जताते हैं.'' सीरिया के पूर्वी गोता के डौमा में हाल में कथित रूप से सीरिया द्वारा रसायनिक हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका ने पहले ही असद सरकार को चेतावनी दी थी. इस हमले में बच्चों सहित 75 लोग मारे गए थे. फ्रांस ने कहा, हमलों का लक्ष्य सीरिया के रसायनिक हथियार फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि सीरियाई सरकार की रासायनिक हथियारों के उत्पादन और उनके इस्तेमाल की क्षमता को लक्षित कर अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा चलाए जा रहे अभियान से फांस भी जुड़ा है. सीरियाई राजधानी से धमाकों की आवाज सुने जाने के कुछ समय बाद ही उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, ''हम रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को सामान्य माने जाने की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते.'' ब्रिटेन के पास सीरिया पर मिसाइल हमला करने के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं था ब्रिटिश प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने शनिवार (14 अप्रैल) को कहा कि सीरिया में बल के इस्तेमाल के अलावा कोई ''व्यवहारिक विकल्प'' नहीं बचा था. उन्होंने इसके साथ ही सीरिया में हमले के लिए फ्रांस और अमेरिका का साथ देने का भी ऐलान किया. उन्होंने एक बयान में कहा, ''आज (शनिवार, 14 अप्रैल) शाम मैंने ब्रिटिश सशस्त्र सेनाओं को सीरियाई सरकार की रसायनिक हथियारों की क्षमता को कम करने और उन्हें नष्ट करने के लिये समन्वित और लक्षित हमले करने के लिये अधिकृत किया.''

ट्रंप के हमले की घोषणा के बाद विस्फोटों से दहल उठी सीरिया की राजधानी

बेरूत ,(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के हवाई हमलों की घोषणा करने के बाद सीरिया की राजधानी शनिवार सुबह तेज विस्फोटों से दहल उठी और आसमान में घना धुआं छा गया। ट्रंप ने हमले का आदेश सीरिया में हुए कथित रासायनिक हमलों में करीब 40 लोगों की मौत के बाद दी थी। सीरिया की वायु रक्षा सेवा ने अमेरिका , फ्रांस और ब्रिटेन के इन संयुक्त हमलों का जवाब भी दिया। इस बीच सीरिया के मददगार रूस ने भी अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। पूर्वी दमिश्क से धुआं निकलता देखा गया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। सीरियाई सरकारी टेलिविजन ने दिखाया कि वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र पर हमला हुआ और सीरिया के वायु रक्षा ने दक्षिणी दमिश्क की ओर आ रहे 13 रॉकेटों को हवा में ही नाकाम कर दिया। हमले के बाद सीरिया के राष्ट्रपति ने ट्वीट किया , 'अच्छे लोगों को अपमानित नहीं किया जाएगा।' सीरियाई सरकारी टीवी ने कहा कि हमले 'अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन हैं और यह अंतरराष्ट्रीय वैधता की अवमानना दर्शाता है। ' ट्रंप ने शुक्रवार रात अपने तीन सहयोगियों के साथ मिलकर सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद को कथित रासायनिक हमले के लिए दंडित करने और उन्हें ऐसा दोबारा करने से रोकने के लिए सैन्य हमले करने की घोषणा की थी। सीरिया सरकार लगातार प्रतिबंधित हथियार के इस्तेमाल की बात नकार रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस का कहना है कि प्रारंभिक हवाई हमलों में अमेरिकी हार की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने आगे और हमले करने की संभावना को खारिज किए बिना कहा , ' फिलहाल यह एकमात्र हमला है।' मैटिस ने कहा कि रासायनिक हथियार बनाने में असद के मददगार विभिन्न स्थलों पर हमला किया गया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमले के प्रभावों का आकलन किया जाना अभी बाकी है। ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थरीजा मे ने कहा हमले न ही 'गृहयुद्ध में हस्तक्षेप और न हीशासन में बदलाव के लिए हैं, लेकिन सीमित और लक्षित हमले हैं जो क्षेत्र में और तनाव उत्पन्न नहीं करेंगे। और नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र ने कठुआ बलात्कार मामले को बताया भयावह

आरोपियों को न्याय के दायरे में लाने की उम्मीद

संयुक्त राष्ट्र,14 अप्रैल (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतरेस ने कठुआ में आठ वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले को ''भयावह'' करार देते हुए , इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले आरोपियों को कानून के दायरे में लाए जाने की उम्मीद जाहिर की है. खानाबदोश बकरवाल मुस्लिम समुदाय की एक बच्ची 10 जनवरी को अपने घर के पास से लापता हो गई थी और एक सप्ताह बाद उसका शव उसी इलाके में मिला था. गांव के ही एक मंदिर में एक सप्ताह तक उसके साथ कथित तौर पर छह लोगों ने बलात्कार किया. पीड़िता की हत्या करने से पहले नशीला पदार्थ देकर उसके साथ कई बार बलात्कार किया गया था. इस घटना के बाद से संपूर्ण भारत में रोष देखने को मिला।गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार (13 अप्रैल) को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैंने बच्ची के साथ बलात्कार के इस जघन्य अपराध की मीडिया रिपोर्ट देखी हैं. हमें उम्मीद है कि अधिकारी अपराधियों को कानून के दायरे में लाएंगे ताकि बच्ची के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में उन्हें सजा दी जाए.'' बच्ची के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले पर महासचिव की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर दुजारिक ने यह बयान दिया. मामले में अपराध शाखा के एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है. अभी तक दो पुलिस अधिकारियों सहित आठ लोगों की गिरफ्तारी की गई है। पीएम मोदी ने घटना को बताया शर्मनाक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 13 अप्रैल को मामले पर अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए इसे देश के लिए ''शर्मनाक'' करार दिया और अपराधियों को बख्शे न जाने की बात कही. उन्होंने कहा था।

संयुक्त राष्ट्र ने रोहिंग्याओं के साथ यौन हिंसा करने के लिए म्यामांर सेना को ब्लैक लिस्ट में डाला

संयुक्त राष्ट्र ,(आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक नई रिपोर्ट में बलात्कार और यौन हिंसा संबंधी अन्य कृत्यों को अंजाम देने के संदेह के पुख्ता सुराग होने के चलते म्यामांर की सेना को संयुक्त राष्ट्र ने सरकार एवं विद्रोही समूहों के ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है. महासचिव एंतोनिया गुतारेस की सुरक्षा परिषद को दी गई रिपोर्ट की एक अग्रिम प्रति में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय चिकित्साकर्मियों और बांग्लादेश में मौजूद अन्य लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर ऐसा किया

गया।अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरों और बांग्लादेश के नागरिकों का कहना है कि म्यामांर से वहां पहुंचे करीब 7,00,000 रोहिंग्या मुसलमानों ने कक्र यौन उत्पीड़न के कारण शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक पीड़ा झेली।' संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि इन हमलों को कथित तौर पर म्यामांर सैन्य बलों ने अक्तूबर 2016 से अगस्त 2017 के बीच चलाए सैन्य सफाई अभियान के दौरान अंजाम दिया। गुतारेस ने कहा , 'इस दौरान बड़े स्तर पर भय फैलाया गया और यौन हिंसा की गई जिसका मकसद रोहिंग्या समुदाय को अपमानित करना, आतंकित करना और सामूहिक रूप से दंडित करना था , जो कि उन्हें (रोहिंग्या मुसलमानों को) अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर करने और उनकी वापसी रोकने के लिए उठाया गया एक सोचा समझा कदम था।'

अमेरिका ने ब्रिटेन-फ्रांस के साथ सीरिया पर किए हवाई हमले

दमिश्क ,(आरएनएस)। अमेरिका ने कथित केमिकल अटैक पर सबक सिखाने के लिए ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर सीरिया पर हवाई हमले किए हैं। सीरिया की राजधानी दमिश्क में तेज धमाकों के साथ धूल-धुएं के गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इन हमलों में अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों का इस्तेमाल भी किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि बशर-अल-असद की 'आपराधिक' सरकार को निशाना बनाने के लिए सीरिया पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है। उधर, इन हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए रूस ने इसे राष्ट्रपति पुतिन का अपमान करार दिया है। रूस ने कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ट्रंप ने टेलिविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि असद सरकार द्वारा अपने ही लोगों पर रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ अमेरिका ने ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि सीरिया में कथित रासायनिक हमले से हिंसा में 'बड़ी वृद्धि' हुई। ट्रंप ने आगे कहा, 'कुछ समय पहले मैंने अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं को सीरियाई तानाशाह बशर-अल-असद की रासायनिक हथियार क्षमताओं से जुड़े ठिकानों पर सटीक हमले करने के आदेश दिए। ' उन्होंने हमले की जानकारी देते हुए बताया, 'फ्रांस और ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ संयुक्त अभियान चल रहा है। हम दोनों देशों का आभार जताते हैं। यह नरसंहार उस भयानक सरकार द्वारा इस्तेमाल किए गए रासायनिक हथियारों की प्रवृत्ति में बड़ी वृद्धि है।' ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति असद पर अटैक करते हुए कहा, यह किसी इंसान की हरकत नहीं हो सकती है। यह एक शैतान की इंसानियत के खिलाफ की गई हरकत है। आज रात किए हमले के पीछे हमारा उद्देश्य रसायनिक हथियारों के निर्माण और प्रयोग करनेवालों को चेतावनी देना है।

माओवादी खत्म होने के दावे खोखले - आप

जगदलपुर, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रोहित आर्य ने प्रदेश के मुख्यमंत्री रमन सिंह के पूर्व के बयानों को स्मरण कराते हुये कहा कि एक तरफ तो मुख्यमंत्री रमन सिंह आये दिन बयान देते हैं कि बस्तर में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिये हजारों सुरक्षाबल को दिन रात मुस्तैद किया गया है। इस ओर अब रमन सिंह स्वयं ही प्रकाश डाल सकते हैं उनके बयानों और क्रिया में इतना बड़ा अंतर क्यों है। आम आदमी पार्टी ने रमन सिंह से सवाल किया कि प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान किया है।

अमेरिकी मिसाइलें कीं नाकाम

रूस का दावा

मॉस्को ,(आरएनएस)। सीरिया पर शनिवार को अमेरिका ने हमला कर रूस और ईरान को चेतावनी दी। इसके जवाब में रूस की तरफ से कड़ी प्रतिक्रिया आई है। रूस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने सीरिया पर हमला किया है, इसका नतीजा भयंकर हो सकता है। रूस ने यह भी कहा कि तीनों देशों को समझना चाहिए कि इस हमले का परिणाम युद्ध के रूप में भी हो सकता है। मॉस्को की तरफ से जारी बयान में दावा किया गया है कि सीरिया पर हमले में रूस के ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है। अमेरिका में रूस के राजदूत एनातोली एंतोनोव ने एक बयान में कहा , 'एक बार फिर , हमें धमकाया जा रहा है। हम आगाह करते हैं कि ऐसी कार्रवाई को बिना परिणाम भुगते नहीं छोड़ा जाएगा। इसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका , ब्रिटेन और फ्रांस पर है। रूस के राष्ट्रपति का अपमान करना अस्वीकार्य और अमान्य है। ' इस बीच , मॉस्को में रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरिया पर पश्चिमी देशों के हमले ऐसे समय में हुए हैं जब देश के पास शांतिपूर्ण भविष्य का मौका था।

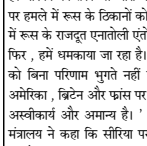

सीरिया पर हमले का उद्देश्य केमिकल वेपन

पैरिस/लंदन , (आरएनएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुल मैक्रों ने कहा कि सीरियाई सरकार की केमिकल वेपन के उत्पादन और उनके इस्तेमाल की क्षमता के खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा चलाए जा रहे अभियान से फ्रांस भी जुड़ा है। सीरियाई राजधानी से धमाकों की आवाज सुने जाने के कुछ समय बाद ही उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, 'हम केमिकल वेपन के इस्तेमाल को सामान्य माने जाने की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते। ' उन्होंने हाल ही में डूमा में सात अप्रैल को हुए केमिकल वेपन प्रयोग का जिक्र करते हुये कहा , 'फ्रांस ने मई 2017 में जो लक्ष्मण रेखा खींची थी उसे लांघा गया है। ' उन्होंने कहा , 'मैंने फ्रांसीसी सेना को अमेरिका और ब्रिटेन के साथ गठबंधन में चलाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया है जो सीरियाई सरकार के गोपनीय रासायनिक हथियार के खिलाफ निशाना है।' ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थरीसा मे ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से शुक्रवार को बात की और सीरिया के कथित केमिकल वेपन अटैक के जवाब में फ्रांस के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जतायी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने बताया , 'सीरिया के डूमा में शनिवार हुए भीषण हमले को लेकर प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की।' उन्होंने बताया , 'इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया में दोनों नेता मिलकर काम करने पर सहमत हुए। ' अमेरिका ने कहा है कि उसने यह साबित किया है कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के शासन ने विद्रोहियों के कब्जे वाले डूमा में सात अप्रैल को यह कथित हमला किया था।

ब्रिटेन के पास सीरिया पर मिसाइल हमला करने के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं था: टेरीजा म

लंदन,(आरएनएस)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने शनिवार (14 अप्रैल) को कहा कि सीरिया में बल के इस्तेमाल के अलावा कोई ''व्यवहारिक विकल्प'' नहीं बचा था. उन्होंने इसके साथ ही सीरिया में हमले के लिए फ्रांस और अमेरिका का साथ देने का भी ऐलान किया. उन्होंने एक बयान में कहा, ''आज (शनिवार, 14 अप्रैल) शाम मैंने ब्रिटिश सशस्त्र सेनाओं को सीरियाई सरकार की रसायनिक हथियारों की क्षमता को कम करने और उन्हें नष्ट करने के लिये समन्वित और लक्षित हमले करने के लिये अधिकृत किया.'' ट्रंप ने जताया ब्रिटेन और फ्रांस का आभार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार (14 अप्रैल) को घोषणा की कि अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने सीरिया में बशर अल असद की सरकार के खिलाफ आज सैन्य हमले शुरू किए. ट्रंप ने युद्धग्रस्त देश पर अपने ही लोगों के खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि अमेरिका, सीरिया पर तब तक दबाव बनाए रखेगा जब तक असद सरकार रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल बंद नहीं कर देती. उन्होंने सीरियाई सरकार के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए ब्रिटेन और फ्रांस का आभार जताया. फ्रांस ने कहा, हमलों का लक्ष्य सीरिया के रसायनिक हथियार फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि सीरियाई सरकार की रासायनिक हथियारों के उत्पादन और उनके इस्तेमाल की क्षमता को लक्षित कर अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा चलाए जा रहे अभियान से फांस भी जुड़ा है।

प्रतियोगी परीक्षा तैयारी आवेदन की अंतिम तिथि 23 अप्रैल

कोरबा (आरएनएस)। आयोग नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2019 में आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु सत्र 2018-19 में नई दिल्ली स्थित सूचीबद्ध प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में प्रवेश लेकर परीक्षा की तैयारी करने के इच्छुक प्रदेश के पात्र स्नातकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। इच्छुक छात्र/छात्राएं 23 अप्रैल 2018 शाम 5 बजे तक सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग,कलेक्ट्रेट में आवेदन जमा कर सकते है। चयनित अभ्यर्थियों को नई दिल्ली में स्थित ट्राइबल यूथ हास्टल में आवास मेस, लाइब्रेरी, कम्प्यूटर, समाचार पत्र-पत्रिकायेंआदि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। परीक्षा सभी संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में 29 अप्रैल 2018 को 11 बजे से 2 बजे के बीच आयोजित होगी।